सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

DGR Detective Group Report

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 12 अंक : 03 | इंदौर, गुरुवार 23 जुलाई, 2026 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

पेपर लीक पर एक्शन, फास्ट ट्रैक कोर्ट और सख्त सजा...

● प्रदर्शनकारी छात्रों को पीएम मोदी का बड़ा ऑफर

नई दिल्ली, (एजेंसी) जंतर-मंतर पर CJP (कॉकरोच जनता पार्टी) के आंदोलन के बीच में पेपर लीक की घटनाओं पर पीएम मोदी ने बड़ा ऐलान किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि देश के युवाओं का हित और उनका भविष्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने घोषणा की कि पेपर लीक के मामलों में दोषियों को जल्द और कड़ी सजा दिलाने के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाएंगे, ताकि मामलों का त्वरित निस्तारण हो सके और दोषियों को समय रहते सजा मिल सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पेपर लीक से जुड़े मामलों में न्यायिक प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दे दिए गए हैं। सरकार चाहती है कि ऐसे मामलों का जल्द निपटारा हो और दोषियों को कानून के मुताबिक कठोर सजा मिले। उनका कहना है कि इससे भविष्य में इस तरह के अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के हितों की रक्षा के लिए सरकार लगातार महत्वपूर्ण फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की निष्पक्षता बनाए रखना सरकार की जिम्मेदारी है और युवाओं का भरोसा किसी भी कीमत पर टूटने नहीं दिया जाएगा। सरकार का हर कदम छात्रों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में उठाया जा रहा है।

अमेरिका का ईरान के 4 प्रांतों पर हमला

ट्रम्प बोले- वह बुरी तरह पिट रहा; हूती विद्रोहियों का सऊदी के 2 तेल टैंकरों पर अटैक

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका ने लगातार 12वीं रात ईरान पर हमला किया। इस बार खुजेस्तान, बुशेहर, होर्मोजगान और इलाम प्रांतों में कई जगह मिसाइल और हवाई हमले हुए। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक, कई सैन्य ठिकानों और रणनीतिक इलाकों को निशाना बनाया गया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान बुरी तरह पिट रहा है। दूसरी तरफ, यमन के हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में सऊदी अरब के तेल टैंकर एन्सेलिया और लैला को मिसाइलों और ड्रोन से निशाना बनाया है। सऊदी ने दोनों जहाजों पर हमले की पुष्टि की है। ब्रिटेन की UKMTO ने भी सऊदी तट के पास एक जहाज पर हमले की जानकारी दी है।

मप्र विस:आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय संशोधन समेत 6 विधेयक पारित

स्वास्थ्य, शिक्षा,पंचायत व्यवस्था में होंगे बदलाव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश विधानसभा में बुधवार को मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2026 समेत छह महत्वपूर्ण विधेयक चर्चा के बाद पारित हो गए। सरकार ने इन विधेयकों को प्रदेश में स्वास्थ्य शिक्षा, उच्च शिक्षा, पंचायत व्यवस्था, कर प्रणाली और कानून-व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में अहम कदम बताया।

आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय व्यवस्था होगी और मजबूत

आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक पर चर्चा के दौरान उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है। वर्ष 2003 में प्रदेश में केवल 6 मेडिकल कॉलेज थे, जो अब बढ़कर 33 हो गए हैं। इसी तरह एमबीबीएस सीटें 760 से बढ़कर 5,550 और पीजी सीटें 140 से बढ़कर 2,862 हो गई हैं। सरकार का लक्ष्य भविष्य में एमबीबीएस सीटों को 10 हजार और पीजी सीटों को 5 हजार तक पहुंचाने का है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेजों और विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए विश्वविद्यालय की प्रशासनिक और शैक्षणिक व्यवस्था को और मजबूत बनाया जा रहा है। संशोधन के तहत विश्वविद्यालयों में कुलपति और प्रतिकुलपति के स्थान पर कुलगुरु और प्रति कुलगुरु पदनाम अपनाए जाएंगे। साथ ही कुलगुरु चयन प्रक्रिया में भी बदलाव किया गया है। अब स्वास्थ्य शिक्षा के क्षेत्र में कम से कम 10 वर्ष का अनुभव रखने वाले विशेषज्ञ इस पद के लिए पात्र होंगे।

इन विधेयकों को भी मिली मंजूरी

मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन (संशोधन) विधेयक-2026- इस विधेयक पर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच लंबी बहस हुई। सरकार ने निजी विश्वविद्यालय खोलने के लिए 25 एकड़ भूमि और 5 करोड़ रुपये की एंडोमेंट फंड (एफडी) की अनिवार्यता समाप्त करने का प्रस्ताव रखा। कांग्रेस ने इसका विरोध करते हुए शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के भविष्य पर चिंता जताई। उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि संशोधन के बावजूद शिक्षा की गुणवत्ता और छात्रों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (मध्य प्रदेश संशोधन) विधेयक-2026- सदन ने इस विधेयक को भी पारित किया। इसमें कुछ मामलों में न्यायालय की निगरानी में समझौते समेत अन्य अन्य मामलों कुछ प्रावधान जोड़े गए जो बीएनएस में शामिल नहीं थे।

मध्य प्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज (संशोधन) विधेयक-2026- पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि संशोधन का उद्देश्य पंचायत व्यवस्था को अधिक प्रभावी और मजबूत बनाना है। सरकार पहले उन गांवों में पंचायत भवन और सामुदायिक भवन बनाएगी, जहां ये सुविधाएं अभी उपलब्ध नहीं हैं।

मध्य प्रदेश माल एवं सेवा कर (जीएसटी) संशोधन विधेयक-2026- यह विधेयक भी सदन से पारित हो गया। सरकार के अनुसार इसका उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा जीएसटी कानून में किए गए बदलावों के अनुरूप राज्य के कानून को अद्यतन करना है।

मध्य प्रदेश निरसन विधेयक-2026- इस विधेयक के माध्यम से ऐसे पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को समाप्त किया जाएगा, जिनका अब कोई व्यावहारिक उपयोग नहीं रह गया है।

राजौरा और गोविल को पीछे छोड़ बर्णवाल बने सीएस

प्रशासनिक अनुभव और निर्विवाद छवि बनी ताकत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन को दिल्ली में नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) बनाए जाने के बाद मध्य प्रदेश के नए मुख्य सचिव के रूप में 1991 बैच के आईएएस अधिकारी अशोक बर्णवाल की नियुक्ति ने प्रशासनिक हलकों में वरिष्ठता को लेकर चर्चा तेज कर दी है। बर्णवाल से वरिष्ठ 1990 बैच के आईएएस डॉ. राजेश कुमार राजौरा प्रदेश में कार्यरत हैं, जबकि 1991 बैच के ही मनोज गोविल केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं, लेकिन इन दोनों को छोड़ राज्य सरकार ने अशोक बर्णवाल पर भरोसा जताया।

जानकारी के अनुसार, मुख्य सचिव पद के लिए डॉ. राजेश राजौरा के नाम पर भी विचार हुआ था, लेकिन उनके नाम पर सहमति नहीं बन सकी। वहीं, मनोज गोविल के केंद्र सरकार में प्रतिनियुक्ति पर हैं। ऐसे में सरकार ने अशोक बर्णवाल को जिम्मेदारी सौंपी। अशोक बर्णवाल की पहचान एक शांत, निर्विवाद और मेहनती अधिकारी के रूप में है। वे शिवराज सिंह चौहान और कमलनाथ, दोनों पूर्व मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। विभिन्न विभागों में लंबे प्रशासनिक अनुभव और तेज कार्यशैली के कारण उन्हें सरकार का भरोसेमंद अधिकारी माना जाता है।

1991 बैच के आईएएस अधिकारी अशोक बर्णवाल वर्तमान में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव हैं। उनके पास भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास विभाग का दायित्व भी रहा है और वे खाद्य सुरक्षा आयुक्त की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं। बर्णवाल को मजबूत प्रशासनिक अनुभव वाला अधिकारी माना जाता है।

कलेक्टर श्री वर्मा ने नागरिकों की समस्याओं को सुना, मौके पर किया त्वरित समाधान

असरावद बुजुर्ग में आयोजित राजस्व शिविर में नामांकन, सीमांकन, बंटवारा आदि के कुल 62 राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया गया

कलेक्टर श्री वर्मा ने ग्रामीणों को नशा मुक्ति की दिलाई शपथ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर नागरिकों के राजस्व संबंधी कार्यों के त्वरित निराकरण हेतु राजस्व जनकल्याण शिविर के आयोजन किए जा रहे हैं। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देश पर इंदौर जिले की खुडैल तहसील अंतर्गत ग्राम असरावद बुजुर्ग में राजस्व शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में कलेक्टर शिवम वर्मा ने स्वयं उपस्थित होकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं।

उन्होंने राजस्व शिविर में नामांतरण के 25 प्रकरण, सीमांकन के 30, बंटवारा के 3, बटांकन के 3 एवं इंद्राज दुरुस्ती का एक प्रकरण सहित कुल 62 राजस्व प्रकरणों का मौके पर ही निराकरण कराया तथा हितग्राही को तत्काल राजस्व रिकॉर्ड की नकल प्रदान की गई। शिविर में आमजन एवं कृषकों के राजस्व संबंधी प्रकरणों का त्वरित निराकरण करते हुए मौके पर ही विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ प्रदान किया गया।

राजस्व शिविर के दौरान ग्राम असरावद बुजुर्ग निवासी अनिल माहेश्वरी ने बताया कि वर्ष 2021 से लंबित बंटवारा प्रकरण में उनकी पत्नी श्रीमती सुनीता माहेश्वरी का नाम राजस्व अभिलेख में दर्ज नहीं हो पाने से उन्हें लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। कलेक्टर श्री वर्मा ने प्रकरण का परीक्षण कर आवश्यक राजस्व कार्रवाई के निर्देश दिए, जिसके बाद राजस्व अभिलेख में नाम दर्ज कर समस्या का मौके पर ही निराकरण किया गया। राजस्व शिविर में विभिन्न सीएम हेल्पलाइन शिकायतों का भी मौके पर निराकरण किया गया। साथ ही जैविक खेती करने वाले प्रगतिशील किसान राजेंद्र सिंह ने किसानों को जैविक खेती के लाभ एवं तकनीकों की जानकारी दी। कलेक्टर शिवम वर्मा के उत्कृष्ट कार्यों से प्रभावित होकर नागरिकों ने सम्मान किया। कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा ग्रामीणों को नशा मुक्ति अभियान की शपथ भी दिलाई गई, जिसमें सभी ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। शिविर में अपर कलेक्टर नवजीवन विजय पवार, अपर कलेक्टर रोशन राय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) राहुल गुप्ता, तहसीलदार सुश्री प्रीति भिसे, पटवारीगण, अन्य प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री वर्मा द्वारा ग्राम पंचायत परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ नीम, गुलमोहर, करंज एवं अन्य छायादार पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के खाद्यान्न के अवैध संग्रहण, भंडारण एवं क्रय-विक्रय करने पर कार्रवाई

तीन आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन में जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के खाद्यान्न के अवैध संग्रहण, भंडारण एवं क्रय-विक्रय के विरुद्ध लगातार कार्यवाही जारी है। इसी के अंतर्गत जिला आपूर्ति नियंत्रक श्री एम.एल. मारू ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के खाद्यान्न के अवैध संग्रहण, भंडारण एवं क्रय-विक्रय करने वाले तीन आरोपियों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत थाना गांधीनगर में प्रकरण दर्ज कराया गया।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के दल द्वारा गांधीनगर थाना परिसर में खड़े लोडिंग वाहन क्रमांक एमपी 09 डीडी 9156 की जांच की गई। जांच के दौरान वाहन में सफेद प्लास्टिक के गैर-शासकीय बारदानों में लगभग 80 कट्टे गेहूं एवं चावल अवैध रूप से संग्रहित पाए गए। प्रारंभिक जांच में फोर्टिफाइड चावल होना पाया गया। साथ ही जांच में वाहन से 60 कट्टों में लगभग 29.30 क्विंटल गेहूं तथा 20 कट्टों में 9.75 क्विंटल फोर्टिफाइड चावल बरामद हुआ, जो प्रथम दृष्टया सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत वितरित किए जाने वाले खाद्यान्न के रूप में पाया गया।

वाहन चालक मोहम्मद अली पिता जाकिर हुसैन से पूछताछ में बताया गया कि उक्त खाद्यान्न लक्ष्मणपुरा निवासी रामजीप्रसाद गुप्ता के गोदाम से वाहन में भरवाया गया था। मौके पर उपस्थित रामजीप्रसाद गुप्ता ने स्वीकार किया कि वाहन में रखा गेहूं एवं चावल उन्हीं का है तथा गेहूं 20 रुपये प्रति किलोग्राम एवं फोर्टिफाइड चावल 22 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से लगभग 4 रुपये प्रति किलोग्राम लाभ लेकर विक्रय किया जाता है।

विभिन्न प्रतिष्ठानों से 17 खाद्य नमूने लिये गए

1 लाख 35 हजार रुपए मूल्य का 208 किलोग्राम संदिग्ध घी जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में इंदौर जिले में दूध एवं दुग्ध उत्पादों तथा विद्यालयों की मेस एवं कैंटीनों में अमानक खाद्य सामग्री के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत बुधवार को खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य विभाग की टीम द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठानों से 17 खाद्य नमूने जांच हेतु लिए गए तथा लगभग 1 लाख 35 हजार रुपये मूल्य का 208 किलोग्राम संदिग्ध घी जब्त किया गया।

बताया गया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल ने हिम्मतनगर पालदा स्थित श्रीनाथ एजेंसी का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान पर लस्सी एवं छाछ का निर्माण, पैकेजिंग एवं विक्रय किया जाना पाया गया। साथ ही बल्क मिल्क चिलिंग सेंटर से लस्सी एवं छाछ के दो नमूने जांच हेतु लिए गए। खाद्य विभाग की टीम द्वारा मेडीकैप्स इंटरनेशनल स्कूल का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान किचन एवं स्टोरेज क्षेत्र में कई गंभीर कमियां पाई गईं। किचन के पीछे उबले एवं मैश किए हुए आलू, कटी हुई शिमला मिर्च, पाव सहित अन्य खाद्य सामग्री अस्वच्छ परिस्थितियों में रखी हुई मिली। निरीक्षण के दौरान कुछ खाद्य पदार्थों की पैकेजिंग पर लेबलिंग अधूरी पाई गई। फ्रीजर में रखे फ्रोजन फिंगर चिप्स एवं मटर निर्धारित तापमान पर संग्रहित नहीं पाए जाने पर उन्हें मौके पर ही नष्ट कराया गया। जंग लगे चॉपिंग नाइफ एवं गंदे चॉपिंग बोर्ड भी तत्काल हटवाए गए। विद्यालय परिसर से पनीर, सौंफ, मूंगफली, राजमा एवं मूंग छिलका दाल के पांच नमूने जांच हेतु लिए गए। जांच दल द्वारा मैजिक बॉक्स की सहायता से खाद्य पदार्थों की स्पॉट टेस्टिंग भी की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के संयुक्त दल ने अभिषेक नगर, मूसाखेड़ी स्थित नानकसर डेयरी फार्म का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रतिष्ठान से पनीर, मावा, दही एवं घी के पांच नमूने जांच हेतु लिए गए। इस दौरान जांच दल को परिसर में उपलब्ध घी संदिग्ध प्रतीत होने पर 208 किलोग्राम घी, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख 35 हजार रुपये है, नियमानुसार जब्त किया गया। प्रतिष्ठान में पाई गई कमियों के संबंध में संबंधित फर्म को सुधार सूचना पत्र जारी किया जाएगा। साथ ही राऊ स्थित श्री भोले कृपा डेयरी का निरीक्षण कर दूध एवं दुग्ध उत्पादों के पांच नमूने जांच हेतु लिए गए।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा राऊ क्षेत्र में मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' के माध्यम से खाद्य पदार्थों की स्पॉट टेस्टिंग एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान खाद्य कारोबारकर्ताओं एवं आमजन को खाद्य पदार्थों में मिलावट की पहचान, स्वच्छता, सुरक्षित भंडारण तथा खाद्य सुरक्षा मानकों के पालन के संबंध में जानकारी दी गई।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के निवास पर विरोध करने पहुंचे दंपति हिरासत में

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शहर में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के घर के सामने बुधवार को दंपती ने प्रदर्शन किया। वे संविधान की कॉपी लेकर गेट के सामने खड़े हो गए। उनका कहना था कि विजयवर्गीय के हाल ही में दिए बयानों से वे आहत हैं।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। प्रदर्शन की अनुमति के बारे में पूछा तो पति-पत्नी बहस करने लगे। अधिकारियों ने दंपती को समझाइश दी लेकिन उन्होंने मंत्री के बंगले से हटने से इनकार कर दिया। इस पर पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया। खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताने वाले दंपती की पहचान प्रहलाद पाण्डेय और संगीता पाण्डेय के रूप में हुई है।

फिलहाल, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। प्रहलाद पाण्डेय ने बताया- मंत्री विजयवर्गीय ने कहा है कि नीट घोटाला प्रदेश का विषय नहीं है। उन्होंने छात्र आंदोलन को प्रायोजित बताया और छात्रों के संदर्भ में कीड़े जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया। इससे युवाओं और अभिभावकों में गहरा आक्रोश है। इसी के कारण वे उनके घर के सामने प्रदर्शन करने आए हैं। प्रहलाद पाण्डेय मीडिया से बातचीत कर रहे थे, इसी बीच परदेशीपुरा थाना प्रभारी आरडी कानवा मौके पर पहुंचे। वे पाण्डेय को मीडिया से बात करने से रोकते हुए समझाने लगे। कानवा ने कहा- मंत्री कैलाश विजयवर्गीय इंदौर में नहीं, बल्कि भोपाल में हैं। बिना अनुमति उनके घर के बाहर प्रदर्शन नहीं किया जा सकता।काफी समझाइश के बाद भी जब दंपती नहीं माने तो पुलिसकर्मियों ने प्रहलाद पाण्डेय को जबरन उठाकर गाड़ी में बैठा लिया। फिर, उनकी पत्नी संगीता पाण्डेय को भी साथ लेकर थाने ले गए। टीआई आरडी कानवा ने बताया कि दंपती बिना अनुमति के प्रदर्शन करने पहुंचे थे। माहौल बिगड़ने की आशंका को देखते हुए उन्हें पूछताछ के लिए अभिरक्षा में लिया गया है। आगे की कार्रवाई जांच के आधार पर की जाएगी। इससे पहले पाण्डेय दंपती सोमवार को सांसद शंकर लालवानी के घर पर भी प्रदर्शन और नारेबाजी कर चुके हैं। वे केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

कोर्ट से लौट रहे किसान को वाहन ने टक्कर मारी, मौत

इंदौर। रीगल ब्रिज पर मंगलवार शाम हुए सड़क हादसे में एक किसान की मौत हो गई। वह कोर्ट में पेशी के बाद पैदल बस स्टैंड की ओर जा रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां देर रात उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। छोटी ग्वालटोली थाना पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान इलियास (48) पुत्र अब्दुल रज्जाक निवासी काजी पलासिया खुडेल के रूप में हुई है। टक्कर के बाद इलियास गंभीर रूप से घायल होकर काफी देर तक सड़क पर पड़े रहे। बाद में राहगीरों ने उन्हें अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल प्रशासन ने उनके परिजनों से संपर्क किया, तब पता चला कि इलियास किसी मामले में कोर्ट में पेशी के लिए इंदौर आए थे। काम पूरा होने के बाद वह पैदल बस स्टैंड की ओर जा रहे थे, तभी यह हादसा हो गया। परिजनों ने बताया कि इलियास किसान थे। उनके परिवार में एक बेटा, छह बेटियां और पांच भाई हैं।

अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की त्रैमासिक बैठक सम्पन्न

जिले में 157 पीड़ितों को 2.82 करोड़ की राहत राशि वितरित

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में गत दिवस जनजातीय कार्य विभाग द्वारा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के अंतर्गत गठित जिला स्तरीय मॉनिटरिंग समिति की तृतीय त्रैमासिक बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में बताया गया कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जनवरी 2026 से जुलाई 2026 की अवधि में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के 157 पीड़ितों को विभिन्न प्रकरणों में राहत योजना के तहत कुल 2 करोड़ 82 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने पुलिस विभाग एवं जनजातीय कार्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत पात्र किसी भी पीड़ित को राहत योजना के लाभ से वंचित नहीं रहने दिया जाए। उन्होंने आरोपियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर एवं त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि जिन पीड़ितों के अनुसूचित जाति

अथवा अनुसूचित जनजाति के जाति प्रमाण-पत्र अभी तक नहीं बने हैं, उनकी जानकारी समय-सीमा (टीएल) की साप्ताहिक बैठक में प्रस्तुत की जाए, ताकि संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों के माध्यम से प्राथमिकता के आधार पर प्रमाण-पत्र जारी कराए जा सकें।

बैठक में जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त नीरज पाराशर ने राहत वितरण एवं विभागीय कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, समिति के अशासकीय सदस्य प्रिंसपाल टोंगिया, रमाकांत गुप्ता एवं पप्पू बैरवा उपस्थित थे। बैठक में संजय वर्मा एवं पुष्पेंद्र सिंह ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। अंत में शाखा प्रभारी संजय अठवाल ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर करता रहा शोषण

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म और बाद में फोटो-वीडियो वायरल करने की धमकी देकर लंबे समय तक शोषण करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

हीरानगर थाना प्रभारी सुशील पटेल के मुताबिक 27 वर्षीय युवती की शिकायत पर हर्ष उर्फ राज चौहान निवासी गौरी नगर के खिलाफ मंगलवार को एफआईआर दर्ज की गई।

पुलिस के अनुसार करीब चार वर्ष पहले दोनों की पहचान हुई थी और मोबाइल पर बातचीत शुरू हुई। इस दौरान आरोपी ने युवती से शादी का वादा किया। आरोप है कि 7 मार्च 2023 को उसने युवती को अपने घर बुलाकर दुष्कर्म किया। इसके बाद वह उसे अपने एक दोस्त के घर, अरविंदो अस्पताल के पास ले गया, जहां भी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता का आरोप है कि जब उसने शादी की बात की तो आरोपी ने फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसे डराया। इसी धमकी के बल पर वह लगातार उसका शोषण करता रहा। पीड़िता के अनुसार 5 जनवरी को आरोपी के दोस्त के घर दोनों के बीच शादी को लेकर विवाद हुआ, जहां आरोपी ने शादी से साफ इनकार कर दिया और बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद 3 जुलाई को भी उसने फोन कर युवती को बुलाने और धमकाने की कोशिश की। लगातार प्रताड़ना से परेशान होकर पीड़िता ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई। मंगलवार को परिजन उसके साथ हीरानगर थाने पहुंचे, जहां आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया। पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद देर रात आरोपी हर्ष उर्फ राज चौहान को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच जारी है।

फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने वाले 3 आरोपी गिरफ्तार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, (नप्र)

इंदौर। शेयर ट्रेडिंग और ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर करोड़ों रुपए की साइबर ठगी करने वाले संगठित गिरोह पर क्राइम ब्रांच इंदौर ने शिकंजा कसा है। मामले में पहले पकड़े गए आरोपियों की निशानदेही और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर क्राइम ब्रांच ने गिरोह के 3 और सक्रिय सदस्यों को दबोच लिया है। यह गिरोह फर्जी बैंक खाते खुलवाकर साइबर ठगों को मुहैया कराता था ।मामले पूर्व में गिरफ्तार आरोपी जय सूर्यवंशी एवं जतिन हरियाले से पूछताछ और प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए गिरोह के 3 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया।

इन तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार-

आकाश (24) पिता राधेश्याम विश्वकर्मा, निवासी प्रीमियम पार्क इंदौर। प्रवीण (24) पिता छोटेलाल पाल, निवासी शिवकंठ नगर इंदौर। आशीष (28) पिता अशोक पुरी, निवासी स्कीम नंबर-51 इंदौर।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आरोपियों के पास से 15 मोबाइल फोन, कई सिम कार्ड और स्कॉर्पियो गाड़ी भी जब्त किए हैं। पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे साइबर फ्रॉड करने वाले संगठित गिरोह के संपर्क में थे। उनका काम विभिन्न व्यक्तियों के नाम से बैंक खाते खुलवाना अथवा बैंक खाते उपलब्ध कराना तथा उनसे संबंधित बैंकिंग किट (एटीएम कार्ड, चेकबुक, पासबुक, सिम कार्ड आदि) गिरोह के सदस्यों तक पहुंचाना था। इन बैंक खातों का इस्तेमाल शेयर ट्रेडिंग, ऑनलाइन निवेश एवं अन्य साइबर ठगी के माध्यम से प्राप्त अवैध धनराशि के संग्रहण, ट्रांसफर एवं वितरण के लिए किया जाता था। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों द्वारा उपलब्ध कराए गए बैंक खातों का उपयोग देश के विभिन्न राज्यों में दर्ज साइबर फ्रॉड प्रकरणों में किया गया है। बैंक खातों के विस्तृत विश्लेषण में करोड़ों रुपए के संदिग्ध वित्तीय लेन-देन सामने आए हैं।

जनसमस्याओं और प्रशासनिक अव्यवस्थाओं को उजागर करने वाले साहसी, कर्मठ साथियो की दैनिक अखबार और न्यूज़ चैनल में आवश्यकता है...जो लेखनी और भाषा का दक्ष हो।
इच्छुक व्यक्तित्व संपर्क करें -
Email-: dgrnewsnetwork@gmail.com
DGR
Detective Group Report
सतर्क रहें-सजग रहें अभियान
YouTube Detective Group Report
SUBSCRIBE
समाचार और विज्ञापन के लिए संपर्क करें
+91 9111156060

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में होंगे शामिल

मुख्यमंत्री बलराम कृषि महोत्सव कार्यक्रम में प्रगतिशील किसानों और मेधावी छात्रों का करेंगे सम्मान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को 'कृषक कल्याण वर्ष' के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में उनकी 120वीं जन्म जयंती के अवसर पर कृषि उपज मंडी में 23 जुलाई 2026 को बलराम कृषि महोत्सव, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जन्मजयंती समारोह आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव चंद्रशेखर आजाद नगर में अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली आजाद कुटिया पहुंच कर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन करेंगे। इसके बाद वे मुख्य कार्यक्रम स्थल कृषि मंडी पहुंच कर बलराम कृषि महोत्सव में जिले के प्रगतिशील किसानों से संवाद कर कृषि क्षेत्र में नवाचार,आधुनिक तकनीकों तथा कृषि विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री संभाग के अलग-अलग जिलों से आए विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित इंफ्लूएंसर्स से भी संवाद करेंगे।

प्रगतिशील किसानों और मेधावी छात्रों को किया जाएगा सम्मानित

कार्यक्रम में जिले के उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रगतिशील किसानों तथा मेधावी छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। बलराम कृषि महोत्सव का उद्देश्य किसानों को कृषि एवं कृषि से संबद्ध क्षेत्रों की नवीनतम तकनीकों, उन्नत कृषि पद्धतियों तथा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। इसी के साथ विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को हितलाभ वितरण किया जाएगा।

प्रदर्शनी का करेंगे अवलोकन

बलराम कृषि महोत्सव में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, सहकारिता, कृषि अभियांत्रिकी तथा अन्य संबंधित विभागों द्वारा आकर्षक प्रदर्शनी लगाई जाएगी। बलराम कृषि महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जिले के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहे सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स से सीधा संवाद कर कृषि, जनजातीय संस्कृति, पर्यटन, स्थानीय उत्पादों, प्राकृतिक खेती, ग्रामीण नवाचार जैसे विषयों पर उनके अनुभव जानेंगे।

श्रावण मास से पहले ओंकारेश्वर में बड़ा बदलाव, दर्शन और ट्रैफिक के लिए नया प्लान तैयार

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

ओंकारेश्वर, एजेंसी। श्रावण मास में भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए उमड़ने वाली लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने दर्शन व्यवस्था और यातायात प्रणाली में व्यापक बदलाव करने का निर्णय लिया है। नई व्यवस्था के तहत सामान्य श्रद्धालु, शीघ्र दर्शन टिकटधारी व प्रोटोकॉल श्रेणी के श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग प्रवेश एवं निकासी मार्ग निर्धारित किए जा रहे हैं। इसके साथ ही पूरे नगर में वन-वे ट्रैफिक, नई पार्किंग व्यवस्था तथा पैदल आवागमन की सुव्यवस्थित योजना भी लागू की जाएगी।

खंडवा कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुगम और व्यवस्थित दर्शन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार की गई नई व्यवस्था अगले दो-तीन दिनों में लागू कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सुखदेव मुनि मार्ग का चौड़ीकरण लगभग पूरा हो चुका है और इसके शुरू होते ही सामान्य श्रद्धालुओं का प्रवेश इसी मार्ग से कराया जाएगा।

दर्शन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित रहेगी- नई व्यवस्था के अनुसार सामान्य श्रद्धालु सुखदेव मुनि द्वार से मंदिर परिसर में प्रवेश करेंगे। यहां से वे निर्धारित कतारों के माध्यम से गर्भगृह के समीप पहुंचकर लगभग दस फीट की दूरी से भगवान ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन करेंगे। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं की निकासी चांदी गेट से होगी और वे झूला पुल के रास्ते मंदिर परिसर से बाहर आएंगे। इससे दर्शन व्यवस्था अधिक व्यवस्थित रहेगी और भीड़ का दबाव कम होगा। वहीं, प्रोटोकॉल एवं शीघ्र दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग व्यवस्था बनाई गई है। वर्तमान एग्जिट द्वार को अब प्रोटोकॉल प्रवेश द्वार के रूप में उपयोग किया जाएगा। इसी मार्ग से वीआईपी तथा शीघ्र दर्शन टिकटधारी श्रद्धालु मंदिर में प्रवेश करेंगे और दर्शन के बाद लकड़ी गेट से बाहर निकलेंगे। प्रशासन का मानना है कि अलग-अलग कतारों से सामान्य श्रद्धालुओं की लाइन प्रभावित नहीं होगी और सभी वर्गों को अधिक व्यवस्थित तरीके से दर्शन कराए जा सकेंगे।

पुराने बस स्टैंड की ओर से बाहर निकलेंगे- सावन माह के दौरान पूरे ओंकारेश्वर नगर में वन-वे ट्रैफिक व्यवस्था लागू रहेगी। बाहरी श्रद्धालुओं के वाहनों का प्रवेश पुराने बस स्टैंड तथा दंडी आश्रम की ओर से प्रतिबंधित रहेगा। सभी श्रद्धालुओं को अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करने होंगे। प्रशासन ने पैदल श्रद्धालुओं की सुविधा को भी ध्यान में रखते हुए नई व्यवस्था बनाई है। श्रद्धालु निर्वाणी अखाड़ा स्थित जूता-चप्पल स्टैंड पर अपने जूते-चप्पल रखकर पुराने पुल के माध्यम से मंदिर पहुंचेंगे।

'कीड़ा' टिप्पणी विवाद:

सिंघार पर पलटवार,मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बोले- ऐसा कहा ही नहीं, करूंगा मानहानि का मुकदमा

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री एवं संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कांग्रेस विधायक दल के नेता एवं नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार द्वारा लगाए गए आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने किसी छात्र या युवा के लिए 'कीड़ा' या 'कॉकरोच' जैसे शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। साथ ही उन्होंने उमंग सिंघार के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात भी कही। विजयवर्गीय ने कहा कि मैंने ऐसा कहा ही नहीं। उमंग सिंघार ने जो भी आरोप लगाए हैं, वे पूरी तरह बेबुनियाद हैं। उन्होंने छात्रों के बीच मेरी छवि खराब करने की कोशिश की है। मैं उनके खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करूंगा।' उनका कहना है कि झूठे आरोप लगाकर उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया गया है।

उमंग सिंघार ने माफी की मांग की

वहीं, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मीडिया से बातचीत में कहा कि छात्रों को 'कॉकरोच' कहना पूरे युवा वर्ग का अपमान है। उन्होंने कहा कि यदि सदन में छात्रों और युवाओं के संदर्भ में ऐसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया है, तो यह केवल एक टिप्पणी नहीं, बल्कि युवाओं के सम्मान पर चोट है। सिंघार ने कहा कि 'युवा अपने भविष्य, शिक्षा और अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं। उन्हें अपमानित करना और उन पर देश को अस्थिर करने जैसे आरोपों का संकेत देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। कैलाश विजयवर्गीय को इस टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। लोकतंत्र में सवाल पूछने वाले युवाओं का सम्मान होना चाहिए, अपमान नहीं।

विधानसभा में हुआ था विवाद

गौरतलब है कि बुधवार को मध्य प्रदेश विधानसभा में इस मुद्दे को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक हुई। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने आरोप लगाया कि कैलाश विजयवर्गीय ने मंगलवार को युवाओं के लिए आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था। विवाद बढ़ने पर कैलाश विजयवर्गीय ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से इस पर व्यवस्था देने की मांग की। इसके बाद अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही का वीडियो और रिकॉर्ड देखने के बाद स्पष्ट किया कि विजयवर्गीय ने अपने वक्तव्य में 'कीड़ा' शब्द का इस्तेमाल नहीं किया था।

एमपी में मानसून ने पकड़ी रफ्तार, 17 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, 60 घंटे से लगातार बरस रहे बादल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल, एजेंसी। मध्य प्रदेश में मानसून पूरे रंग में नजर आ रहा है। लगातार सक्रिय तीन मौसम प्रणालियों के असर से पिछले करीब 60 घंटे से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में रुक-रुककर तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने गुरुवार को 17 जिलों में भारी से अति भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि भोपाल, इंदौर सहित कई शहरों में हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार प्रदेश के ऊपर मानसून द्रोणिका, ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण और पूर्व-पश्चिम शियर जोन एक साथ सक्रिय हैं। यही वजह है कि 20 जुलाई की रात से शुरू हुआ बारिश का दौर लगातार बना हुआ है और अगले 24 घंटे भी राहत मिलने के आसार कम हैं।

17 जिलों में ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत

मौसम विभाग ने आलीराजपुर, धार, बड़वानी और खरगोन में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं नीमच, रतलाम, उज्जैन, इंदौर, सीहोर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, उमरिया, रीवा, मऊगंज, सीधी और सिंगरौली में भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। इसके अलावा भोपाल, रायसेन, विदिशा, राजगढ़, ग्वालियर, जबलपुर, कटनी, सागर, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, नर्मदापुरम, बैतूल, हरदा, देवास, शाजापुर, मंदसौर सहित कई जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है।

40 से ज्यादा जिलों में बरसे बादल, जनजीवन प्रभावित- बुधवार को प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। कई स्थानों पर सड़कें जलमग्न हो गईं और कुछ मार्गों पर आवागमन प्रभावित रहा। वहीं बांधों और जलाशयों में पानी की आवक बढ़ने से जलस्तर में सुधार हुआ है। लगातार बारिश के कारण दिन के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई।

संपादकीय

पश्चिम का भरम टूटा: भारत से हुई सभ्यता की शुरुआत

अरसे से पश्चिम के इतिहासकार इस थ्योरी पर जोर देते रहे हैं कि सभ्यता की शुरुआत मेसोपोटामिया से मानी जाती है, जिसे आज आधुनिक युग में इराक कहा जाता है। यह सभ्यता दो नदियों दजला और फरात के बीच फली-फूली। अब एक मरीन इतिहासकार निक कॉलिंस ने इस दावे को चुनौती देते हुए कहा है कि मेसोपोटामिया से कभी सभ्यता की शुरुआत नहीं हुई थी। इसकी शुरुआत भारत से हुई थी। उनके इस दावे से इतिहासकारों की दुनिया में खलबली मच गई है। मैरीटाइम हिस्टोरियन निक कॉलिंस ने सोशल मीडिया X पर लिखा, 'मेसोपोटामिया कभी भी सभ्यता का पालना नहीं था। भारत था।' उन्होंने इतिहास के उस नजरिए को चुनौती दी जो पीढ़ियों से दुनिया भर में पढ़ाया जाता रहा है। कॉलिंस के इस दावे ने पूरी दुनिया में खलबली मचा दी है। कॉलिंस ने एक व्यापक सबस्टैक कॉलम में इस दावे को और विस्तार से समझाया है। उनका तर्क है कि भारत के शहर, गणित, मैन्युफैक्चरिंग और समुद्री नेटवर्क उस समय से बहुत पहले ही फल-फूल रहे थे, जब पश्चिमी इतिहासकार उनके पैमाने को पहचानने के लिए तैयार थे। सिंधु-सरस्वती सभ्यता में सैकड़ों बस्तियां एक जैसे आकार-प्रकार की ईंटें और बाट, ग्रिड-पैटर्न वाली सड़कें, बाथरूम, ढकी हुई नालियां और बड़े पैमाने पर विनिर्माण कारखाने और व्यापारिक नेटवर्क थे। गुजरात का लोथल, कॉलिंस की थ्योरी का एक अहम हिस्सा है। उनका तर्क है कि वहां बना ईंटों का विशाल बेसिन असल में एक एडवांस्ड डॉकयार्ड था, जहां दर्जनों व्यापारिक जहाज आ-जा सकते थे। कुछ शुरुआती व्याख्याओं में इसे नहाने का कुंड या पानी की टंकी माना गया था। कॉलिंस के लिए उस गलती से एक गहरी पूर्वाग्रह वाली सोच का पता चलता है। इतनी एडवांस्ड समुद्री सुविधा, प्राचीन भारत के बारे में पश्चिम की बनी-बनाई छवि में फिट नहीं बैठती थी। उन्होंने लिखा, 'यूरोप में चार हजार साल तक ऐसी कोई चीज नहीं थी।' लोथल में दुनिया का सबसे पुराना ज्ञात बंदरगाह था, जो शहर को सिंध के हड़प्पा शहरों और सौराष्ट्र प्रायद्वीप के बीच व्यापार मार्ग पर साबरमती नदी के प्राचीन मार्ग से जोड़ता था। इसकी खोज 1954 में भारतीय पुरातत्वविद् एसआर राव ने की थी। प्राचीन काल में मेसोपोटामिया और पश्चिम एशिया तक मोतियों व गहनों का व्यापार होता था। इंटरनेशनल शिपिंग में 40 साल बिताने के बाद, कॉलिंस ने प्राचीन दुनिया में जहाजों, सामानों और कमर्शियल नेटवर्क की आवाजाही का पता लगाना शुरू किया। उन्होंने लिखा, 'मुझे किसी पुरानी मान्यता का बचाव नहीं करना था। मैंने सबूतों का पीछा किया और वे सभी एक ही जगह पर ले जाते थे-'भारतीय उपमहाद्वीप।'

धर्म-कर्म

देवशयनी एकादशी पर विष्णुजी को चढ़ाएं उनके 3 प्रिय फूल

घर में बरकत और समृद्धि के बनेंगे संयोग

देवशयनी एकादशी इस बार 25 जुलाई, शनिवार को पड़ रही है और इसी दिन से चातुर्मास का भी आरंभ होता है। इस एकादशी तिथि से श्रीहरि 4 महीनों के लिए क्षीसागर में योगनिद्रा में चले जाते हैं। ऐसे में देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु की विशेष रूप से पूजा-अर्चना और व्रत किया जाता है। मान्यता है कि ऐसा करने से पुण्य फल प्राप्त होता है और भक्तों पर विष्णुजी की कृपा बनी रहती है। वहीं, यदि आपके जीवन में परेशानी चल रही है या कोई भी काम नहीं बन रहा है, तो इस दिन विष्णुजी की श्रद्धापूर्वक पूजा करने के साथ-साथ आप उन्हें उनके प्रिय फूल अर्पित कर सकते हैं। ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, ऐसा करने से घर में खुशहाली, समृद्धि और बरकत आती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें की देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु को कौन-कौन से फूल अर्पित करना लाभकारी होता है।

शंखपुष्पी फूल करें अर्पित

ज्योतिष एक्सपर्ट, वास्तु गुरु मान्या के अनुसार, देवशयनी एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा के दौरान उन्हें शंखपुष्पी फूल जरूर अर्पित करने चाहिए। ऐसी मान्यता है की यह पुष्प अर्पित करने से घर में बरकत बढ़ती है और समृद्धि आती है। साथ ही, इस फूल को भगवान विष्णु का प्रिय भी माना जाता है। ऐसे में पूजा के दौरान इसे अर्पित करने से श्रीहरि की कृपा साधक को प्राप्त हो सकती है।

गेंदे के फूल चढ़ाएं

भगवान विष्णु को पीले रंग के फूल बेहद प्रिय हैं। ऐसे में उनकी पूजा के दौरान पीले पुष्प भी जरूर अर्पित करें। साथ ही, आप उन्हें ताजे गेंदे के फूलों की माला भी अर्पित कर सकते हैं। उनके वस्त्र का रंग भी पीला ही है, ऐसे में इस रंग की माला उन्हें चढ़ाने से विष्णुजी प्रसन्न हो सकते हैं। ऐसे में जातक के कार्यों में आ रही बाधा दूर हो सकती है। साथ ही तरक्की के संयोग बनते हैं।

कमल का फूल करें अर्पित

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान विष्णु को कमल के फूल भी बहुत प्रिय हैं। साथ ही, इस पुष्प को देवी लक्ष्मी का भी प्रिय माना गया है। ऐसे में देवशयनी एकादशी के दिन संभव हो तो विष्णु भगवान को कमल के फूल जरूर अर्पित करने चाहिए। ऐसा करने से भगवान विष्णु के साथ-साथ माता लक्ष्मी की कृपा भी प्राप्त हो सकती है। साथ ही, घर की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहती है। इसके अलावा, आप देवशयनी एकादशी पर आप अन्य पीले रंग के फूल भी भगवान विष्णु को अर्पित कर सकते हैं।

सावन में शिवलिंग पर काले तिल चढ़ाने से क्या होता है? भगवान शिव को प्रसन्न करने का सरल उपाय

देवों के देव महादेव, काल के भी महाकाल हैं। वे अपने भोले स्वभाव और शीघ्र प्रसन्न होने के कारण आशुतोष कहलाते हैं। सच्चे मन से की गई भक्ति से वे भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण करते हैं। इसी विश्वास के साथ अनेक महिलाएं दाम्पत्य सुख, अखंड सौभाग्य तथा संतान की मंगलकामना के लिए सावन के सोमवार का व्रत रखती हैं।

पुराणों में वर्णित है कि सोमवार व्रत का आरम्भ यदि श्रावण मास से किया जाए तो उसका पुण्य और फल कई गुना बढ़ जाता है। सावन के प्रत्येक सोमवार को शिवलिंग का जलाभिषेक, दुग्धाभिषेक, बिल्वपत्र अर्पण तथा 'ओम् नमः शिवाय' मंत्र का जप अत्यंत शुभ माना गया है।

धर्मशास्त्रों में पूजा के स्थान का भी विशेष महत्व बताया गया है। श्रद्धा और भक्ति से घर में की गई पूजा भी महान फलदायी होती है, किंतु गौशाला, तीर्थ, पवित्र नदियों के तट और विशेष रूप से शिवालय में निष्काम भाव से की गई शिव आराधना का पुण्य अनंत गुना बताया गया है। इसी विश्वास से प्रेरित होकर सावन के सोमवार को लाखों श्रद्धालु शिव मंदिरों में दर्शन और अभिषेक के लिए पहुँचते हैं।

पौराणिक कथाओं में वर्णन मिलता है कि भगवान शिव अपने भक्त के जीवन की कठिन परिस्थितियों को भी बदलने की सामर्थ्य रखते हैं। इसलिए सावन का महीना आत्मशुद्धि, संयम, भक्ति और ईश्वर के प्रति समर्पण का विशेष अवसर माना जाता है।

यदि आप भगवान शिव की विशेष कृपा प्राप्त करना चाहते हैं तो सावन के प्रत्येक सोमवार का व्रत रखें। सामर्थ्य हो तो पूरे श्रावण मास में सात्विक जीवनचर्या अपनाएँ, नियमित शिव पूजन करें तथा रुद्राभिषेक कराएँ। सावन में किया गया रुद्राभिषेक अत्यंत पुण्यदायी माना गया है।

ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार यदि किसी व्यक्ति की जन्मकुंडली में शनि या राहु की अशुभ महादशा, अंतर्दशा अथवा प्रतिकूल गोचर चल रहा हो, तो श्रावण मास में प्रतिदिन शिवलिंग पर काले तिल अर्पित करना शुभ माना गया है। इसके साथ सात्विक भोजन, संयमित जीवन और भगवान शिव के मंत्रों का जप करने की भी सलाह दी जाती है। जन्मकुंडली में जो ग्रह वर्तमान में शुभ फल प्रदान कर रहा हो, योग्य ज्योतिषीय परामर्श के अनुसार उसके अनुकूल रत्न धारण कर उस ग्रह को बल प्रदान करना भी लाभकारी माना जाता है।

New Delhi

समंदर में ड्रैगन की हर चाल होगी नाकाम, चीनी पनडुब्बियों पर शिकंजा कसने नौसेना में शामिल हुआ 'सबमरीन किलर' INS मालवन

नई दिल्ली, (एजेंसी) हिंद महासागर क्षेत्र में चीन की बढ़ती पनडुब्बी गतिविधियों पर नजर रखने और उनसे मुकाबला करने के लिए भारतीय नौसेना को नई ताकत मिली है,अब ड्रैगन के सामने दहाड़ने के लिए यह मेड इन भारत सबमरीन कीलर आ गया है। नौसेना ने बुधवार को कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर INS मालवन को सेवा में शामिल किया। यह माहे श्रेणी (Mahe-class) का दूसरा एंटी-सबमरीन वॉरफेयर शैलो वॉटर क्राफ्ट (ASW-SWC) है, जिसे खास तौर पर उथले समुद्री इलाकों में दुश्मन की पनडुब्बियों का पता लगाने और उन पर कार्रवाई करने के लिए बनाया गया है।

इस समारोह में वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल

ए.पी. सिंह मुख्य अतिथि रहे। उनके साथ पश्चिमी नौसेना कमान के प्रमुख वाइस एडमिरल संजय वात्स्यायन और नौसेना के कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि भविष्य का कोई भी युद्ध केवल एक सेना नहीं लड़ेगी, बल्कि थल सेना, नौसेना और वायुसेना मिलकर देश की सुरक्षा करेंगी। उन्होंने समुद्री व्यापार के सुरक्षित रहने के महत्व पर भी जोर दिया।

छत्रपति शिवाजी महाराज से खास जुड़ाव- INS मालवन का नाम महाराष्ट्र के ऐतिहासिक तटीय शहर मालवन के नाम पर रखा गया है, जो छत्रपति शिवाजी महाराज की समुद्री विरासत से जुड़ा है। इस युद्धपोत के प्रतीक चिह्न (क्रेस्ट) पर शिवाजी महाराज के प्रसिद्ध हथियार 'वाघनख' को जगह दी गई है। यह साहस, सतर्कता और दुश्मन पर सटीक वार करने का प्रतीक माना जाता है।

New Delhi

सोशल मीडिया की TRP को नहीं समझें अपनी सफलता; CJI सूर्यकांत ने किसे दी नसीहत

नई दिल्ली, (एजेंसी) भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली लोकप्रियता या ऑनलाइन विजिबिलिटी को लोगों को अपनी सफलता नहीं समझनी चाहिए। सीजेआई ने यह नसीहत युवाओं को दी है। उन्होंने कहा कि कानूनी पेशे में असली सम्मान और स्थायी पहचान कोर्ट रूम के भीतर की गई कड़ी मेहनत और बनाई गई विश्वसनीयता से मिलती है, किसी डिजिटल मंच से नहीं।

आपको बता दें की चीफ जस्टिस सुप्रीम कोर्ट एडवोकेट्स-ऑन-रिकॉर्ड एसोसिएशन (SCAORA) द्वारा 2025 बैच के नए एओआर (AoR) वकीलों के सम्मान में आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस विपुल एम पंचोली ने भी अपने विचार रखे।

टीवी चैनल की तरह TRP के पीछे न भागें- युवा वकीलों को संबोधित करते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि आज के दौर में प्रसिद्ध और चर्चित होना बहुत आसान हो गया है, लेकिन सोशल मीडिया की प्रसिद्धि का मतलब यह नहीं कि आप एक सफल वकील बन गए हैं।

उन्होंने कहा, "आजकल सोशल मीडिया के जरिए ध्यान आकर्षित करना आसान है। लेकिन याद रखें कि ऐसी विजिबिलिटी कभी भी क्रेडिबिलिटी यानी कि विश्वसनीयता का स्थान नहीं ले सकती। अपनी सफलता को ऑनलाइन लोकप्रियता से मापने के लालच से बचें। आपको किसी टीवी चैनल की तरह अपनी टीआरपी की चिंता में नहीं भागना है। आपको अदालत कक्ष के भीतर, अपने सहकर्मियों, मुवक्किलों और बार से असली सम्मान मिलता है।"

Uttarpradesh

राममंदिर में 9 संतों की समिति बनी, प्रवक्ता भी होगा

अयोध्या, (एजेंसी) श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बुधवार को अयोध्या में 2 बड़े फैसले लिए। पहला- 9 संतों की एक धार्मिक समिति बनाई गई है। जिसमें 5 संत अयोध्या से और 4 संत मंदिर ट्रस्ट से शामिल किए गए हैं। ट्रस्ट कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरि को इस समिति का अध्यक्ष बनाया गया है। दूसरा- ट्रस्ट का एक प्रवक्ता होगा। सचिव भी बनाया जाएगा। हालांकि महासचिव समेत तीन ट्रस्टियों के नाम फाइनल नहीं हो पाए। विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय महासचिव बजरंग लाल बागड़ा का नाम आगे बढ़ाया गया, लेकिन ट्रस्ट के सभी सदस्य एकमत नहीं हैं। अयोध्या के संत चाहते हैं कि लोकल चेहरे को महासचिव बनाया जाए। इसलिए इस विषय को टाल दिया गया। चंद्रमोहन ही अभी कार्यवाहक महासचिव रहेंगे। बता दें कि सहमति बनाने के लिए संघ की ओर से सदस्यों के साथ एक गोपनीय बैठक भी की गई थी। ट्रस्ट की बैठक दोपहर 3 बजे से 5 बजे तक श्री स्वामी मणि रामदास छावनी में हुई। ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास महाराज खुद इसकी अध्यक्षता कर रहे थे।

Uttarpradesh

नोएडा में 83 साल की डॉक्टर को पांच दिन रखा डिजिटल अरेस्ट, एफडी तुड़वाकर ऐंठ लिए 18 लाख

नोएडा, (एजेंसी) साइबर जालसाजों ने 83 वर्षीय सेवानिवृत्त महिला डॉक्टर को पांच दिन तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर 18.50 लाख रुपये ऐंठ लिए। आरोपियों ने खुद को पहले एयरटेल मुख्यालय का कर्मचारी और फिर महाराष्ट्र पुलिस का अधिकारी बताकर मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने और गिरफ्तारी की धमकी दी। लगातार मानसिक दबाव और निगरानी में रखी गईं महिला डॉक्टर इतनी भयभीत हो गईं कि उन्होंने अपनी एफडी तुड़वाकर दो अलग-अलग बैंक खातों में आरटीजीएस के जरिए पूरी रकम भेज दी।

मामले में साइबर थाने में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। सेक्टर-30 निवासी सेवानिवृत्त चिकित्सक के अनुसार, 13 जुलाई को उनके मोबाइल पर एक अज्ञात नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को एयरटेल हेड ऑफिस का कर्मचारी बताते हुए कहा कि उनके आधार कार्ड का इस्तेमाल कर एक बैंक खाता खोला गया है, जिसका उपयोग मनी लॉन्ड्रिंग और अन्य आपराधिक गतिविधियों में किया जा रहा है। इसके बाद कॉल को कॉन्फ्रेंस पर जोड़कर दूसरे व्यक्ति से बात कराई गई, जिसने स्वयं को महाराष्ट्र पुलिस का अधिकारी बताया।

आरोपियों ने डॉक्टर से कहा कि जांच पूरी होने तक उन्हें किसी से बात नहीं करनी होगी और केवल उनके निर्देशों का पालन करना होगा। गिरफ्तारी, कानूनी कार्रवाई और सामाजिक प्रतिष्ठा खराब होने का डर दिखाकर उन्होंने डॉक्टर से बैंक खाते, एफडी, पोस्ट ऑफिस जमा और अन्य निवेश की पूरी जानकारी हासिल कर ली।

खेल

आईसीसी वनडे रैंकिंग

रोहित शर्मा ने लगाई लंबी छलांग, नंबर-1 की दौड़ हुई रोमांचक, गिल और कोहली किस स्थान पर?

नई दिल्ली, (एजेंसी) इंग्लैंड दौरे पर लॉर्ड्स में खेली गई शानदार 138 रन की पारी का इनाम भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे बल्लेबाजों की ताजा रैंकिंग में मिला है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) द्वारा जारी साप्ताहिक रैंकिंग में रोहित 14 रेटिंग अंक की बढ़त के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं और अब वह शीर्ष स्थान की दौड़ में मजबूती से शामिल हो गए हैं।

डेरिल मिचेल का दबदबा

फिलहाल न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल 802 रेटिंग अंकों के साथ नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं। भारत के शुभमन गिल 801 अंकों के साथ महज एक अंक पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जबकि विराट कोहली 767 अंकों के साथ तीसरे नंबर पर कायम हैं। रोहित शर्मा 758 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

रोहित शर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे में 110 गेंदों पर 138 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। इस दौरान उन्होंने 17 चौके और पांच छक्के लगाए। खास बात यह रही कि वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर वनडे शतक लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बने। भारत को 388 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करना था। हालांकि रोहित की शानदार पारी के बावजूद टीम इंडिया 27 रन से मुकाबला हार गई और तीन मैचों की सीरीज 1-2 से गंवा बैठी।

सीरीज के निर्णायक मुकाबले से पहले रोहित शर्मा के वनडे भविष्य को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं। लेकिन उन्होंने अपने बल्ले से सभी सवालों का जवाब दिया। मैच के बाद रोहित ने कहा, 'जब से मैंने डेब्यू किया है, तब से मेरे बारे में बातें होती रही हैं और जब तक मैं खेलूंगा, होती रहेंगी। मेरे लिए सबसे अहम बात मैदान पर प्रदर्शन करना और टीम की सफलता में योगदान देना है। अगर शोर नहीं होगा तो मजा भी नहीं आएगा।'

भारत-इंग्लैंड वनडे सीरीज के बाद इंग्लैंड के कई खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार हुआ है। जो रूट 249 रन बनाने के बाद चार स्थान की छलांग लगाकर आठवें नंबर पर पहुंच गए। बेन डकेट 11 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 19वें स्थान पर पहुंच गए। जैकब बेथेल पांच स्थान की बढ़त के साथ 64वें स्थान पर पहुंच गए। वहीं गेंदबाजों की रैंकिंग में इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। उनसे ऊपर अफगानिस्तान के राशिद खान पहले और पाकिस्तान के अबरार अहमद दूसरे स्थान

सिनेमा

4 महीने बाद बादशाह की शादी में पड़ी दरार! रोती दिखी पत्नी, लिखा- हर तूफान एक सीख है

रैपर बादशाह की पर्सनल लाइफ को लेकर शॉकिंग खबर सामने आ रही है. करीब चार महीने पहले बादशाह ने एक्ट्रेस ईशा रिखी संग गुरुद्वारे में गुपचुप शादी की थी. शादी के बाद भी उन्होंने अपना रिश्ता छिपाकर रखा. ईशा ने बादशाह को फैंस संग इंट्रैक्शन में अपना पति बताया. मगर रैपर ने कोई कमेंट नहीं किया. अब दोनों की मैरिड लाइफ में ट्रबल होने की अटकलें लग रही हैं. इन अफवाहों को ईशा की क्रिप्टिक पोस्ट से बल मिला है. एक्ट्रेस ने इंस्टा पर फोटो-कोलाज वीडियो पोस्ट किया है. इसमें उन्होंने रैपर संग शादी की क्लिप के साथ रोमांटिक मोमेंट्स को दिखाया है. बादशाह पत्नी संग घूमते, उन्हें kiss करते हुए नजर आ रहे हैं. एक तस्वीर में ईशा रो रही हैं. बादशाह पत्नी को संभालते दिखे. इस वीडियो के साथ ईशा ने लिखा- हर तूफान एक सीख है. हर प्रार्थना एक उम्मीद है. साथ में हाथ जोड़ने वाला और हार्ट ब्रेकिंग इमोजी बनाया. इस वीडियो को ईशा ने इंस्टा स्टोरी पर भी टीज किया है. एक्ट्रेस के क्रिप्टिक पोस्ट देखकर फैंस हैरान परेशान हैं. दिल टूटने वाला इमोजी और कैप्शन पढ़कर लोगों का मानना है उनकी पर्सनल लाइफ में जरूर टेंशन चल रही है. कमेंट बॉक्स में फैंस ईशा से उनकी मैरिड लाइफ पर सवाल करते दिखे. एक यूजर ने लिखा, क्या हुआ?, दूसरे ने पूछा, पूरा मामला क्या है? फैंस ने दिल थामकर बस यही उम्मीद की है कि उनके बीच सब ठीक हो. फिलहाल बादशाह ने इस वीडियो को लेकर कोई रिएक्शन नहीं दिया है. इंटरनेट पर बादशाह की शादी में दरार पड़ने की खबरें वायरल हो रही हैं.

Highlights

1. Don't waste our time: Supreme Court on plea against police action on CJP protestors
2. Rajiv Chowk, 15 other metro stations closed amid CJP & Congress protests in Delhi
3. Auto driver gets angry as vehicle damaged by CJP protesters, asks 'Why are they targeting me?'
4. We don't need a CEO: Ram Mandir Trust member ahead of meeting
5. US embassy issued 'large crowd' warning in Delhi 3 days before Parliament march
6. Rajiv Chowk, 3 other metro stations closed amid CJP & Congress protests in Delhi
7. 'My WhatsApp account has been blocked,' claims Cockroach Janta Party's Saurav Das

'Primarily a PR story': Cornell's John Thickstun breaks down OpenAI's narrative

NEW DELHI, (Agency). A few artificial intelligence (AI) models supposedly acted on their own to what we are led to believe is a scenario where an agentic entity intruded the production infrastructure of AI platform Hugging Face. Sounds like the plot of sci-fi movies from a bygone era, except it isn't as dramatic as it is being made out to be. The reality is, when Hugging Face released this information on July 16, no one really cared. It needed OpenAI to spin the publicity narrative on July 21, to get the attention it regularly seeks. This is a playbook we've seen before.

The AI models, identified by OpenAI as GPT-5.6 Sol and an unnamed pre-release model, were likely not acting out of spontaneous malice. They were participating in an internal cybersecurity evaluation benchmark called 'ExploitGym'. OpenAI themselves said, "all evidence suggests that the models were hyper-focused on finding a solution for ExploitGym, going to extreme lengths to achieve a rather narrow testing goal."

"It is important to read this story with an understanding of OpenAI's narrative frame. This is primarily a public-relations story promoted by OpenAI, part of the same messaging campaign that began with the announcement of GPT-2 in 2019," John Thickstun, assistant professor of computer science at Cornell University, told HT.

This incident occurred during an internal evaluation which prompts models to pursue advanced exploitation using complex attack paths, in an effort to quantify their cyber capabilities, according to OpenAI. It is likely the guardrails were turned off. If that isn't the case, the bigger concern would be that OpenAI lost control of its own testing environment.

When OpenAI created GPT-2, they famously refused to release the full model, claiming it was too dangerous and could be used to generate mass disinformation. This established a recurring marketing tactic: emphasising apocalyptic danger of their products to signal their immense power. Hugging Face is a central repository where the global open-source community hosts, shares, and collaborates on machine learning models and datasets.

"The explicit message of this campaign is that OpenAI's technology is dangerous, but the message they implicitly want to convey is that their technology is powerful and worthy of large investments, privileged regulatory status, etc.," Thickstun added. Unlike traditional chatbots that simply answer prompts, "agentic" AI models find integration with more than one external tool and can execute certain steps without human intervention.

By framing their AI as possessing "state-of-the-art cyber capabilities" that can autonomously hack infrastructure, OpenAI indirectly tells investors that their tech is incredibly advanced.

"We consider this incident to be an unprecedented cyber incident, involving state-of-the-art cyber capabilities, and are responding accordingly.

33 साल की नौकरी में 2 करोड़ की आय, संपत्ति मिली 14.54 करोड़ की

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री शिवराम सेमिल के खिलाफ लोकायुक्त की कार्रवाई में लगातार चौंकाने वाले तथ्य सामने आ रहे हैं। इंदौर, पीथमपुर, धार और मुरैना सहित 9 ठिकानों पर हुई छापामार कार्रवाई के बाद लोकायुक्त ने संपत्तियों का प्रारंभिक आकलन जारी किया है, जिसमें उनके और परिवार के नाम पर करोड़ों रुपए की चल-अचल संपत्ति तथा निवेश का खुलासा हुआ है। लोकायुक्त की शुरुआती जांच के अनुसार शिवराम सेमिल ने अपने 33 वर्षों के सरकारी सेवा काल में करीब 2 करोड़ रुपए की वैध आय अर्जित की है, जबकि

अब तक सामने आई संपत्तियों और निवेश का कुल मूल्य 14 करोड़ 54 लाख 16 हजार 764 रुपए आंका गया है। जांच एजेंसी के मुताबिक यह संपत्ति उनकी वैध आय से लगभग 627 प्रतिशत अधिक है, जिसे आय से अधिक संपत्ति के मामले में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बता दें, मंगलवार सुबह 5.30 बजे शिवराम सेमिल के 9 ठिकानों पर छापे मारे गए थे।

जांच के दौरान पीथमपुर सेक्टर-3 में स्थित 'शुभम इलेक्ट्रिकल' नामक ट्रांसफॉर्मर निर्माण इकाई का पता चला, जिसकी अनुमानित कीमत 1.06 करोड़ रुपए आंकी गई है। इसी क्षेत्र में एक अन्य औद्योगिक इकाई भी मिली है, जिसका मूल्य लगभग 71 लाख रुपए बताया है। धार जिले के उज्जैनी औद्योगिक क्षेत्र में संचालित एसएस इलेक्ट्रिकल्स नामक फैक्ट्री भी जांच के दायरे में आई है। यहां केबल और ट्रांसफॉर्मर निर्माण का काम किया जाता है। इस इकाई का मूल्यांकन करीब 2.06 करोड़ रुपए किया है। इसके अलावा इसी क्षेत्र में कृष्णा पावर नाम से निर्माणाधीन फैक्ट्री भी मिली है, जिस पर अब तक करीब 10 लाख रुपए खर्च होने की जानकारी सामने आई है।

छात्रा से दोस्ती खत्म करने को पिता और साथियों ने हमला किया

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में 12वीं कक्षा के एक छात्र पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि छात्रा से दोस्ती खत्म करने को लेकर छात्रा के पिता और उनके साथियों ने छात्र को डंडों से पीट दिया। हमले में छात्र के सिर में गंभीर चोट आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजेंद्र नगर पुलिस के अनुसार जिला अस्पताल से मारपीट में घायल युवक के भर्ती होने की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचने पर घायल की पहचान आदित्य पटेल निवासी कमला नेहरू कॉलोनी के रूप में हुई। उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायल आदित्य ने पुलिस को बताया कि उसकी एक छात्रा से दोस्ती थी। छात्रा ने उसे फोन कर कहा कि उसकी मां मिलना चाहती हैं। इसके बाद वह स्कीम नंबर-103 स्थित टिंकूश कैफे पहुंचा। आदित्य का आरोप है कि वहां छात्रा के पिता अभिजीत और उनके साथियों ने उसे छात्रा से दोस्ती खत्म करने की बात कहते हुए धमकाया। विरोध करने पर आरोपियों ने डंडों से उसकी पिटाई कर दी। इस दौरान एक आरोपी ने उसके सिर पर डंडे से वार किया, जिससे उसे गंभीर चोट आई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर छात्रा के पिता और उनके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। घटना के कारणों और आरोपियों की भूमिका की जांच की जा रही है।

पानीपुरी के पैसे को लेकर दोस्तों में विवाद : दो युवकों पर चाकू से हमला

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र में पानीपुरी खाने के बाद पैसे देने की बात पर हुए विवाद में दो दोस्तों ने अपने ही दो साथियों पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि दूसरे को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया है।

हीरानगर थाना प्रभारी सुशील पटेल के मुताबिक मंगलवार रात सुखलिया क्षेत्र से चाकूबाजी की सूचना मिली थी। घटना में वीरेंद्र पुत्र दरबार सिंह निवासी सुखलिया और अर्जुन पुत्र संतोष निवासी राय बंगला घायल हुए थे। पुलिस जांच में सामने आया कि चारों युवक आपस में दोस्त हैं। घायल अर्जुन ने पुलिस को बताया कि वह, वीरेंद्र, सोकेस उर्फ शोकेस पुत्र अशोक निकुम निवासी साईं पैलेस कॉलोनी और सौरभ पुत्र राजेश कुमार खटीक साथ में पानीपुरी खाने गए थे। इसी दौरान पानीपुरी के पैसे चुकाने को लेकर सोकेस और वीरेंद्र के बीच कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर सोकेस ने चाकू निकालकर वीरेंद्र के पेट में वार कर दिया। बीच-बचाव करने पहुंचे अर्जुन को भी चाकू लग गया। हमले में वीरेंद्र गंभीर रूप से घायल हुआ है। पेट में चाकू लगने के कारण उसे अस्पताल के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। वहीं अर्जुन का उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। घटना के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए थे, लेकिन पुलिस ने रात में ही दबिश देकर दोनों को हिरासत में ले लिया। मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

थाने से लौटकर युवक ने किया सुसाइड

● पत्नी ने की थी प्रताड़ना की शिकायत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। पत्नी द्वारा प्रताड़ना की शिकायत पुलिस से किए जाने के बाद पति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। दोनों की शादी को अभी तीन महीने ही हुए थे। घटना इंदौर के एरोड्रम थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार पटेल नगर निवासी अभिषेक चौहान (27) पुत्र मनोहर चौहान ने मंगलवार रात अपने घर में फांसी लगा ली। परिजनों ने बताया कि रात में बड़ा भाई खाना देने कमरे में गया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। शक होने पर खिड़की से अंदर देखा तो अभिषेक फंदे पर लटका मिला। परिजन तत्काल उसे निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिजनों के मुताबिक अभिषेक की पत्नी साधना नामदेव ने एरोड्रम थाने में प्रताड़ना की शिकायत दर्ज कराई थी। मंगलवार को पुलिस ने अभिषेक को पूछताछ के लिए थाने बुलाया था। परिजनों का आरोप है कि वहां उसे डांट-फटकार लगाई गई। थाने से लौटने के बाद वह चुपचाप अपने कमरे में चला गया और किसी से ज्यादा बातचीत नहीं की। परिवार के अनुसार अभिषेक एयरपोर्ट पर टैक्सी चलाता था। वहीं टैक्सी काउंटर पर काम करने वाली साधना से उसकी पहचान हुई थी। दोनों ने मई 2026 में शादी की थी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। ■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535
■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 7312433667, मो.नं. 9826044334 ■ पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। ■ न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक